Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington Gail 14th December 2019 Shift 2
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2019-12-14 18:05:31
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	2549891912
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2549892524
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2549892537
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 25498928743 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	2549891913
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2549892525
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2549892538
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 25498928744 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

आधुनिक तकनीक के इस आधुनिक युग में ध्वनि ऊर्जा के प्रदर्शन और मापन पर महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान किया गया है। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी में अल्ट्रासाउंड के क्षेत्र में किया गया अग्रणी अनुसंधान शामिल है। सामरिक हथियारों से लेकर बायोमेडिकल उपकरणों तक, ब्रेनवाश करने से लेकर साउंड थेरेपी और दूरसंचार से लेकर अंतरिक्ष यान के रिमोट कंट्रोल तक में पराध्वनिक और अवध्वनिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग किए जाते हैं। चिकित्सा और सर्जरी में अल्ट्रासाउंड के शुरूआती अनुप्रयोगों को दुनिया भर में प्रचार मिला था। इस संबंध में पेरिक में एक वकील को पीठ में वाला गंभीर दर्द सिर्फ पांच मिनट में ठीक होने, दिवंगत अमेरिकी राष्ट्रपति श्री जेएफ कैनेडी को एक बार कनाडा में कहीं वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान पीठ में दर्द और मांसपेशियों में गंभीर तनाव हो जाने पर उनके निजी चिकित्सक डॉ. ट्रैवेल द्वारा उल्ट्रासाउंड थेरेपी द्वारा उनका तुरंत इलाज कर दिया जाने, पेरिस में पोलियो या गठिया की बीमारी से ग्रसित नब्बे से अधिक बच्चों की शारीरिक विकलांगता को इसी चिकित्सा से ठीक कर दिए जाने और जर्मनी में एक मरीज के अन्यथा स्थायी रहने वाले तिल को प्रतिदिन कुछ सेकण्ड तक नियमित रूप से अल्ट्रासाउंड से उपचार देकर पूरी तरह से हटा दिए जाने की कुछ घटनाएं काफी प्रचारीत हुई थीं। चरकसंहिता और आयुर्वेद की सुश्रुत संहिता में उन्माद, उच्च बुखार, दमा, मधमेह, पीलिया, तपेदिक और कुछ प्रकार के हृदय-रोगों और मानसिक विकारों के लिए मंत्र आधारित चिकित्सा पद्धति के बारे में विस्तार से बताया गया है। सामवेदवैदिक मंत्रों के लिए लयकी रचना के विभिन्न तरीकों पर ध्यान केंद्रित करता है जो ध्वनि चिकित्सा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मंत्र के शब्दांशो के उच्चारण के तरीके और उपचारात्मक अनुप्रयोगों के लिए सांगीतिकक्रम में मंत्रों के जाप की विधियाँ मंत्र चिकित्सा की श्रेणी में आती हैं। ध्वनि चिकित्सा की भारी क्षमता रखने वाली शब्द विज्ञान की एक अन्य धारा संगीत की अन्तर्निहित क्षमता को समाहित करती है। मानसिक तनाव से तुरंत राहत देने और कुछ मनोवैज्ञानिक विकारों को ठीक करने में मधुरसंगीत के सुखदायक प्रभाॅव सर्वविदित हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि संगीत पैटर्न के ताल और स्वर, सांगीतिक रचनाओं के विस्तृत स्पेक्ट्रम प्रदान करते हैं, जो विशिष्ट हार्मोनल विकारों और संबंधित शारीरिक और मानसिक विकृतियों को ठीक करने या नियंत्रित करने के लिए डिजाइन किए जा सकते हैं। आयुर्वेद के मूल सिद्धांत तीन मूल प्राकृतिक गुणों - वात, पित्त और कफ के संदर्भ में मानव शरीर की प्रणाली को परिभाषित या वर्गीकृत करने की अवधारणा से उभरे हैं। इन तत्वों की विशेषताओं के अनुरूप, गंधर्ववेद में उनके संबंधित सांगीतिक गुणधर्मॊ के बारे में उल्लेख किया गया है, इसके अनुसार वात मेंसम्यक तारता, पित्त मेंसम्यक तीव्रता और कफ में सम्यक माधुर्य का गुण पाया जाता है। प्राण अर्थात् जीवन उर्जा के स्तरों में सुधार करने में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और मंत्र विज्ञान और शास्त्रीय संगीत के प्राचीन विज्ञानों का सहयोग पूर्ण अनुसंधान शब्दशक्ति के अनकानेक उपयोगी अनुप्रयोगों की पेशकश करेगा। यह समग्र स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक सार्थक कदम सिद्ध होगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Standard

Keyboard Layout: Remington

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes